1) विद्यार्थी शिक्षक की योग्यता :

अ) इस परीक्षा में संगीत मध्यमा पूर्ण या तत्सम परीक्षा उतीर्ण और 12 वी (हायर संकंडरी) होने के एक वर्ष उपरांत विद्यार्थी बैठ सकते हैं।

ब) अध्यापन की परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थी शिक्षक को संगीत मध्यमा पूर्ण (गायन) के सभी रागों की जानकारी तथा सभी ठेके बजाना आना आवश्यक है।

क) यह पाठ्यक्रम पूर्ण एक वर्ष का होगा। विद्यार्थी शिक्षक की 75% उपस्थित आवश्यक होगी।

2) प्रश्नपत्रिका : ---- इस पाठ्यक्रम के लिए शास्त्रीय ज्ञान (संगीत मध्यमा पूर्ण तक) और अध्यापन शास्त्रविधि, बाल मनोविज्ञान, कला रसास्वाद पर एक प्रश्नपत्रिका 100 गुणों की होगी।

अ) इस विभाग में प्रारंभिक से मध्यमा पूर्ण तक का शास्त्र विभाग 50 अंक और

ब) इस विभाग में अध्यापन शास्त्र, बाल मनोविज्ञान और कला रसास्वाद 50 अंक

3) पाठ्यक्रम :- संगीत अध्यापन के प्रश्नपत्रिका विभाग में नीचे लिखा हुआ पाठ्यक्रम रहेगा।

1) बाल मनोविज्ञान के प्रमुख सिध्दान्त
2) संगीत विषय पाठों की रचना (lesson note) और पाठों की टिपण्णीयों का लेखन।
3) कक्षा नियंत्रन शास्त्र (प्रश्नोत्तर पध्दति, कथन पध्दति) (usc of teaching aids) साधनों का प्रयोग।
4) संगीत शिक्षा प्रणाली (शालेय, विद्यालयीन और संगीत कक्षा)।
5) अध्यापन शास्त्र।

Scanned by CamScanner

6) शुध्द व विकृत स्वरों का ज्ञानः---- सताल स्वरालंकार गायन या वादन रागज्ञान :----राग की जानकारी और पहचान, आलाप तान का ज्ञान हिन्दुस्थानी वाद्य के बारे में प्राथमिक जानकारी।

7) परीक्षा के समय विद्यार्थिओं को फाईल - (1) शालेय पाठ (2) संगीत वर्ग के पाठ परीक्षक को दिखाने होंगे तथा संगीत 10 पाठों की निरीक्षण (Observation) फाईल परीक्षक को दिखानी होगी।

8) परीक्षा में परीक्षार्थीयों को दो पाठ लेने होंगे - (1) शालेय पाठ किसी सरकार के मान्यता प्राप्त प्राथमिक या माध्यमिक शालेय 45 मिनिट तक (2) संगीत विद्यालय-कक्षा में पाठ्यक्रम के अनुसार 45 मिनट तक।

इस वार्षिक परीक्षा पाठ के संदर्भ में परीक्षक के निर्णयानुसार पाठ होंगे। उसकी स्वतंत्र लेसन नोट बनानी होगी।

अध्यापन की परीक्षा में बैठने वाले शिक्षक विद्यार्थीयों को कमसे कम 25 पाठ लेने होंगे। उन पाठों में 15 पाठ सरकार के मान्यता प्राप्त प्राथमिक या दुय्यम शाला संस्था में 10 पाठ संगीत विद्यालय में प्रवेशिका पूर्ण तक लेने होंगे। संगीत संस्था के पाठ 'ए' ग्रेडेड संगीत विद्यालय में (कमसे कम दस वर्ष तक संगीत विशारद तक शिक्षा देनेवाली संस्था) लेने होंगे।

सराकार के मान्यता प्राप्त प्राथमिक या माध्यमिक शाला संस्था का, संगीत पाठ लेने के लिए अनुमतिपत्र लेना होगा, और पाठ पूरे होने के बाद संस्था चालक का प्रमाणपत्र आवश्यक होगा। जिस संस्था में पाठ लिए हैं उस संस्था के प्रमुख से हुआ प्रशस्तिपत्रक परीक्षा के समय दिखाना पडेगा।

4) पाठोंका निरीक्षण :--- शिक्षा सनद के विद्यार्थियों के पाठों का निरीक्षण संगीत शिक्षा विशारद उतीर्ण हुए तथा लगातार १२ वर्ष तक संगीत शिक्षा का अनुभव हो ऐसे शिक्षक ही करेंगे। संगीत शालेय पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ लेने होंगे। इसी में ईशस्तवन, स्वागतगीत, राष्ट्रगीत, ध्वजगीत, संचलन गीत, शालेय पाठ्यक्रम की पुस्तिकाओं

Scanned by CamScanner

में से मराठी, हिंदी और अंग्रेजी कविताएँ और प्राथमिक संगीत के ज्ञान पर पाठ्यक्रम में दिये हुए रागों का ज्ञान।

5) आदर्श लेसन नोट का ढाँचा साथ में अवलोकन के लिए दिया है।

6) इस अभ्यासक्रम के लिए अनुमति दी गयी पुस्तकें पृष्ठ 167 – 168 पर देंखे।

अंकपत्रिका :

क्रियात्मक पाठ : पाठ्यक्रम के अनुसार साल भर के 35 पाठों की टिपण्णीयाँ पाठ 35 : 5 अंक,

माध्यमिक शिक्षा संस्थामें 1 पाठ : 25 अंक,

संगीत विद्यालयमें 1 पाठ : 25 अंक,

क्रियात्मक कुल : 125 अंक,

लिखित : 75 अंक,

सर्वयोग : 200 अंक।

Scanned by CamScanner